

THE OXFORD COLLEGE OF SCIENCE

Assignment On Hindi

Topic : वैशिक तापमान

Submitted to:

Dr. Suresh Rathod.

Associate Professor Hindi.

Submitted by:

Sudipta Dhara

B.Sc - SMCs

Third Semester

19RNS85312.

[16th December, 2020]





सूची [Index]

- * प्रश्नावला
- * राष्ट्रीय वार्षिकी की परिश्रापा
- * राष्ट्रीय वार्षिकी पर यू.राज. वार्ता
- * राष्ट्रीय वार्षिकी का अर्थ
- * राष्ट्रीय वार्षिकी का प्राकृतिक कारण
- * राष्ट्रीय वार्षिकी का मानविय कारण
- * राष्ट्रीय वार्षिकी का राक कारण विकसित देश
- * राष्ट्रीय वार्षिकी भगाधान
- * ग्रीन हाउस का प्रभाव क्या है?
- * धातक परिणाम
- * जागा ढकता
- * निष्कर्ष

वैश्विक तापमान



प्रस्तावना

ग्लोबल वार्मिंग हमारे देश के अलावा पूरे देश के लिए बहुत ज़री मस्था है और यह धरती के वातावरण पर लगातार बढ़ रही है। इस समस्या से ज़ा केवल मनुष्य, धरती पर रहने वाले प्रत्येक प्राणी को नुकसान पहुंचा रहा है और इस समस्या से निपटने के लिए प्रत्येक देश कुछ ज़ा कुछ उपाय लगातार कर रहा है। परंतु यह ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ जिम्मेदार स्वर्ग मानव है। उसकी गतिविधियाँ ही कुछ रोशनी हैं की हर तरफ लगातार ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रहा है। मनुष्य की स्वभाव इन गतिविधियों से खतरनाक ग़ैस कार्बन डाइऑक्साइड, मीठेन, नाइट्रोजन ऑक्साइड, इत्यादी का ग्रीन हाउस ग़ैसों की मात्रा में वातावरण में बढ़ोतरी हो रही है।

ग्लोबल वार्मिंग की परिभाषा

धरती के वातावरण में तापमान के लगातार हो रही विश्वव्यापी बढ़ोतरी को भी ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं।

CO₂ level in atmosphere rises to what it was 3m to 5m years ago

Sea Level Was 20 Metres Higher Than Now, Says UN Agency



ग्लोबल वार्मिंग पर यू.रान. वार्ता

संयुक्त राष्ट्र के शहस्रों तक नई जलवायु संदिग्धी कराने के लिये पहला कदम उठाया है और इस पर जातीय शुरू की है कि वे किस तरह देश लम्ब को पूरा करेंगे, यह संदिग्धी विकसित और विकासशील देशों पर लागू होगी।

समुद्र में बसे छोटे देशों और अप्रीकी देशों में चेतावनी देते हुए कहा है कि मौसों के उत्सर्जन में कटौती के वायदों और ग्लोबल वार्मिंग शोकों के लिये उसकी उड़ान के बीच लड़ी रखाई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि वर्तमान उत्सर्जन जारी रहता है तो दुनिया का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा जबकि यू.रान. राष्ट्र. सी. सी. सी. ने 2009-2011 में 2 डिग्री सेल्सियस को सुरक्षित अधिकतम वृद्धि बताया है।

आगे वाले वितावों को संकेत देते हुए नीन क्लाइमेट फंड की पहली बैठक स्थमित कर दी गई है। इसका मठन गरीब देशों की मदद के लिये 10 अरब डॉलर जमा करना है।

जलाबल वार्मिंग का अर्थ

पृथ्वी के निकट स्थित ध्वाई और महासागर की आँखात तापमान में बीसवीं शताब्दी से हो रही वृद्धि और उसकी अनुमानित नियंत्रणता है पृथ्वी की भूमध्य के निकट विश्व की वायु के आँखात तापमान में 2500 वर्षों के दौरान 0.74 फ्लस माइनस 0.8 डिग्री सेल्सियस.

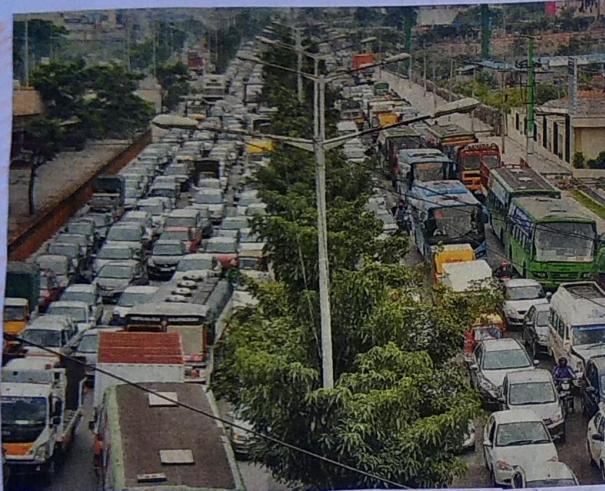
जलाबल वार्मिंग का प्राकृतिक कारण

जलाबल वार्मिंग के कारण होने वाले जलवायु परिवर्तन के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार मीन हाउस मैंस हैं मीन हाउस मैंस के गेसे होती हैं जो बाहर से मिल रही गर्मि या उष्मा को अपने ऊंचे सोरख लेती हैं, मीन हाउस मैंस में सबसे ज्यादा हम जीवित प्राणी अपने सास के साथ उत्सज्जन करते हैं पर्यावरण वैश्वानिकों के अनुसार पृथ्वी में वायुमंडल में कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर यहां का तापमान बढ़ावे में कारण बनती है, कार्बन डाई ऑक्साइड, वैश्वानिकों के अनुसार हन मैंसों का उत्सज्जन इसी तरह चलता रहा तो 21 वीं शताब्दी में हमारे पृथ्वी का तापमान 3 डिग्री से 8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, अगर रोया हुआ तो इसके



प्राकृतिक कारण





मानवीय कारण

परिषाम बहुत धातक होगे दुनिया के कई हिस्सों में बर्फ की चादर बिछी जारागी, समुद्र का जलसर बढ़ जारागा, समुद्र की दूसरे तरह जलसर बढ़ने से दुनिया के कई हिस्सों जल में लिन हो जाएंगे शारी तबाही मचेगी और किसी विश्वथळ या किसी "रास्टरॉयड" के पृथ्वी से ठकराने से होने वाली तबाही से भी यादा अचानक तबाही होगी। यह हमारी पृथ्वी के लिए बहुत ही हानिकारक सिद्ध होगा,

ग्लोबल वार्मिंग का मानवीय कारण

ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार अधिकांश कारक मानव के हारा लिए गए विभिन्न कार्य जिसका परिषाम विनाशकारी है। मानव विकास और प्रगति की अंदी हौड़ में प्रगति से दूर होना जा रहा है। नदियों की धाराओं के अवरुद्ध किए जा रहे हैं हमारी शुश्री और संसाधनों को इकट्ठा करने के लिए पेड़ और संसाधनों को इकट्ठा जंगलों को नष्ट किया जा रहा है उद्योगिक क्रांति की बढ़त से कोयले, तेल और कराड़ों वाहनों के चलाने की बढ़त से बहुत प्रदूषण हो रहा है जिससे हमारी पृथ्वी असामान्य रूप से गर्म होती जा रही है।



मानव द्वारा निर्मित ग्लोबल वार्सिंग के अन्य कारण

- बढ़ों की कटाई ,
- औद्योगिकरण ,
- शहरीकरण ,
- पेटों का कटना ,
- मानव के विभिन्न क्रियाएं ,
- हानिकारक धौगलियों में वृद्धि ,
- रसायनिक ऊर्जकों का उपयोग ,

ग्लोबल वार्सिंग का राक कारण विकसित देश

ग्लोबल वार्सिंग का राक कारण विकसित देश है इसका रखें या लगातार व्यवहार उत्थन करता है यहुका राज्य अमेरिका और बहुत से अन्या विकसित देश इस समस्या के लिए ज्यादा जिम्मेदार है क्योंकि विकासशील देशों की अपेक्षा उनके देश की काबिन उत्थन की प्रति दर 10 गुना अधिक है लेकिन उपरा और औद्योगिक प्रकृति बनारा रखने के लिए काबिन उत्थन में कठोरी करबे की दृच्छुकों नहीं हैं वही दूसरी ओर भारत, चीन, जापान जैसे विकासशील देशों का मानवा हैं की वह भी विकास की प्रक्रिया में हैं।

इसलिए वह काबिन उत्सवों को कम करने का राशना
नहीं अप्पा सकते हैं इसलिए विकासित देशों को भी
धोड़ा सामंजस्य बनाकर उपन पृथ्वी की सुरक्षा
समझा कर कार्य करना चाहिए।

ग्लोबल वार्मिंग रोका रोका शब्द है जिससे लोग ग्रन्थ
दृष्टि परिवर्तित हैं। लेकिन, इसका अर्थ अभी भी
हम से अधिकांश के लिए स्पष्ट नहीं है,
तो, ग्लोबल वार्मिंग पृथ्वी के बातावरण के समन्वय
तापमान में क्रमिक वृद्धि को संदर्भित करता है।

विभिन्न गतिविद्यायां हो रही हैं जो धीरे-धीरे तापमान
बढ़ा रही हैं, ग्लोबल वार्मिंग हमारे हिम ग्लोशियरों
का तबी भै पिछला रहा है। यह धरती के साथ-साथ
इंसानों के लिए भी बेहद हानिकारक है, ग्लोबल
वार्मिंग को नियंत्रित करना काफी चुनौतीपूर्ण है;
हालाँकि, यह असहनीय नहीं है। किसी भी समस्या
को हल करने से पहला कदम समस्या के कारण
की पहचान करना है। इसलिए, हमें पहले ग्लोबल
वार्मिंग के कारणों को समझने की आवश्यकता
है जो हमें इसे हल करने से आगे बढ़ने से मद्द
करेंगे, ग्लोबल वार्मिंग पर इस निषंद्य में हम ग्लोबल
वार्मिंग के कारणों और समाधानों को देखेंगे,



उसके बाद, ऑटोमोबाइल और जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त, रवनन और पशु पालन जैसी गतिविधियाँ पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक हैं, सबसे आम मुद्दों में से राक है जो तेजी से हो रहा है वनों की कटाई।

इसलिए, जब कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण के अवशोषण के सबसे बड़े स्रोतों में से राक ही गायब हो जाएगा, तो गैस को विनियमित करने के लिए कुछ भी नहीं रहेगा। इस प्रकार, यह ग्लोबल वार्मिंग में परिपाम देगा। ग्लोबल वार्मिंग को शोकन और धरती को फिर से बेहतर बनाने के लिए तुरंत कदम उठारा जाने चाहिए।

ग्लोबल वार्मिंग समाधन

जैसा कि पहले कहा गया है, यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है लेकिन यह पूरी तरह से असंभव नहीं है, जब संयुक्त प्रयास किए जाते हैं तो ग्लोबल वार्मिंग को शोका जा सकता है। इसके लिए व्याकियों और सरकारी टॉनों को इसे प्राप्त करने की दिशा में कदम ठाने होंगे।



हुमे मीनहाउस मैंस की कमी से शुरू करना चाहिए,

इसके अलावा, उन्हें मैसालीन की खपत पर नजर रखने की ज़रूरत है। राक डॉडब्लिउ कार पर स्थित करें और काबनि डॉड आॅक्साइड की रिहाई को कम करें। इसके अलावा, नागरिक सार्वजनिक परिवहन या कारपूल को राक साथ छुन सकते हैं। इसके द्वारा शीसाइकिलिंग को श्री प्रोत्साहित किया जाना चाहिए,

मीनहाउस प्रभाव क्या है?

उदाहरण के लिए, जब आप श्वरीदारी करने जाते हैं, तो अपने कपड़े की थैली ले जारा, राक और कदम जो आप उठा सकते हैं वह है बिजली के उपयोग को शीमित करना जो काबनि डॉड आॅक्साइड की रिहाई को रोक देगा। सरकार के हिस्से पर उन्हें औद्योगिक कचरे को नियंत्रित करना चाहिए और उन्हें हवा में हानिकारक गैसों को बाहर निकालने से रोकना चाहिए। बनी की कटाई को ठीक रोका जाना चाहिए और पेड़ों के रोपण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

धातक परिणाम

मीन हाउस गैस को गैस होती है जो पृथ्वी के वातावरण में प्रक्षेत्र कर थहाँ का तापमान बढ़ाने में कारक बनती है। वैज्ञानिकों के अनुसार इन गैसों का उत्सर्जन अगर इसी प्रकार घलता रहा तो ३१वीं शताब्दी में पृथ्वी का तापमान ३ डिग्री से ४ डिग्री भौतिक्यपूर्ण तक बढ़ सकता है। अगर रोसा हुआ तो इसके परिणाम बहुत धातक होगा। दुनिया के कई हिस्सों में बिछी लर्फी की चादरे पिटाल जारागी, समुद्र का जल सर और कई फीट ऊपर तक बढ़ जारागा, समुद्र के इस बर्फि से दुनिया के कई हिस्से जलमग्न हो जारागा, आरी तबाही मचेगी, घर तबाही मचेगी।

जागरूकता

जलांश्वर वार्मिंग को शक्ति का कोई इलाज नहीं है, इसके बारे में सिर्फ जागरूकता फैलाकर ही इससे लड़ा जा सकता है। हमें अपनी पृथ्वी को सही मापदंड में 'मीन' बनाना होगा, अपने 'कार्बन फुटप्रिंट' को कम करना होगा।

संक्षेप में हम सभी को इस तथ्य का राहसाच होना चाहिए कि हमारी पृथ्वी ठीक नहीं है। इसका इलाज करने की ज़रूरत है और हम इसे ठीक करने में मदद कर सकते हैं। वर्गमान पीढ़ी को अविष्य की पीढ़ियों की पीड़ा को रोकने के लिए ग्लोबल वार्मिंग को रोकने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, इसलिए हर छोटा कदम, कोई फर्क नहीं पड़ता कि कैसे छोटा वजन बहुत बहन करना है और ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में काफी महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष

समुद्र के स्तर में होती विरंतर वृद्धि ने नटीय और नियंत्रित इलाकों में जीववंश के लिए राक बड़ा रखता उत्पन्न कर दिया है, ग्लोबल वार्मिंग के कारण पृथ्वी के वातावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, तापमान में होती यह वृद्धि वायु प्रदूषण के स्तर को और ज्यादा बढ़ा रही है, अक्षय अर्जि के उपर्योग पर ध्यान देना होगा यानी अगर कोयले से बनने वाली बिजली के बदले पक्के ऊर्जा, सौर ऊर्जा और फैबिली पर ध्यान दिया जारा तो वातावरण को बर्म करने वाली ऐसों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

Thank you :)